Title: Regarding problems being faced by the employees of National Textile Corporation in Kanpur, Uttar Pradesh.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : सभापति महोदय, यह सौभाग्य की बात है कि कपड़ा मंत्री जी इस सदन में मौजूद हैं। â€¦ (व्यवधान)एक अथर्टन मिल्स है और दूसरी म्योर मिल है। ये दोनों मिलें बरसों से बंद पड़ी हैं। वहां के श्रमिक बेकार हैं। वहां पिछले आठ सालों से ढाई सौ मजदूरों का वेतन बकाया है। इसके साथ-साथ एम. वी.आर.एस. का पैसा भी उनका बकाया है। यहां पर माननीय मंत्री जी बैठे हुए हैं। उन मिलों की मशीनों को औने-पौने दामों में बेचा जा रहा है। अथर्टन मिल की मशीनों को जिनकी कीमत कम से कम आठ करोड़ रुपये है, वह केवल चार करोड़ रूपये में बेच दी गयी। इसी तरीके से म्योर मिल की मशीनें जिनकी कीमत कम से कम 15 करोड़ रुपये है, वे केवल छः साढ़े छः करोड़ रुपये में बेच दी गयीं। इन मजदूरों ने अपने वेतन की मांगों के लिए तथा एम.वी.आर.एस. की मांगों के लिए हाई कोर्ट में पेटीशन दायर कर रखी है लेकिन नैशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन तमाम मैनेजमैंट ने हाई कोर्ट के फैसले का इंतजार नहीं किया। इतना ही नहीं वे उन मजदूरों को न तो तन्ख्वाह देने के ऊपर विचार कर रहा है और न ही उन मजदूरों को एम.वी.आर.एस. का बकाया पैसा देने पर विचार कर रहे हैं। इन मिलों की संपतियों को औने-पौने दामों में बेचने की कोशिश की जा रही है चाहे वह अथर्टन मिल हो चाहे म्योर मिल हो। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह मांग करना चाहता हूं कि जब तक यह विवाद हाई कोर्ट में लंबित है तब तक उन मिलों की मशीनों और अन्य संपत्तियों को हरगिज न बेचा जाये। उन तमाम मजदूरों का जिनका वेतन बकाया है, उनके वेतन का भुगतान किया जाये और एम.वी.आर.एस. के जो मुकदमे लंबित हैं, उन लंबित मुकदमों का निस्तारण किया जाये। जब तक यह सब न किया जाये तब तक किसी भी मिल की परिसंपत्तियों को, मशीनों को बेचने से रोका जाये।

MR. CHAIRMAN: There are about ten notices. If you want me to call all the Members, then we have to skip the lunch. Now the time is 1.30 p.m.

...(*Interruptions*)